Seventeenth Loksabha

p>

Title: Demand to remove the scences from the movie 'Panipat' that shows the character of Maharaja Surajmal in wrong way.

श्री संजय भाटिया (करनाल): धन्यवाद, अध्यक्ष महोदय । आपकी एनकरेजमेंट की वजह से ही मैं दूसरी बार बोल पा रहा हूं । मैं आपका ध्यान आज के बहुत ही ज्वलन्त विषय की ओर दिलाना चाहता हूं कि 'पानीपत' नाम से एक फिल्म बनी है । मैं पानीपत का रहने वाला हूं, मेरा जन्म स्थान पानीपत है । मैं आपके माध्यम से सदन को ध्यान दिलाना चाहता हूं और फिल्ममेकर्स को भी ध्यान दिलाना चाहता हूं कि फिल्ममेकर्स इतिहासकार बनने का प्रयास कर रहे हैं । जिनको इतिहास का थोड़ा सा भी ज्ञान है, वे महाराजा सूरजमल की वीरता, देशभक्ति और दयालुता के बारे में जानते हैं । महाराजा सूरजमल का जब तक जीवन रहा, उन्होंने कोई युद्ध कभी नहीं हारा और विदेशी आक्रान्ताओं से हिन्दुस्तान के लिए अगर कोई अभेद्य दीवार बनकर रहे तो वह महाराजा सूरजमल रहे । हमारे मराठा वीरों ने पानीपत की धरती पर आकर युद्ध किया । उस समय की परिस्थितियां, उस समय की राजनीति और उस समय की रणनीति के आधार पर क्या निर्णय हुआ, लेकिन उस युद्ध क्षेत्र के अन्दर मराठों ने बड़ी वीरता दिखाई । उसका परिणाम आज तक कालाअम्ब स्मारक के रूप में पानीपत के अन्दर स्थापित है और हर 14 जनवरी को हजारों की संख्या में लोगों द्वारा शौर्य दिवस मनाया जाता है । इस बार भी 14 जनवरी के उस कार्यक्रम में मैं आप सभी को भी आमन्त्रित करता हूं कि आप वहां पर आएं, लेकिन जिस प्रकार से फिल्म में महाराजा सूरजमल के बारे में गलत चित्रण किया गया, मैं आपके माध्यम से कहना चाहता कि उस चित्रण को हटाया जाए । मैं सरकार से भी दरख्वास्त करुंगा कि जो इस तरह की फिल्में हैं, जो हमारे महापुरुषों और वीरों की इस तरह की छवि बनाने का प्रयास करती हैं, उनके खिलाफ भी कोई न कोई कार्रवाई होनी चाहिए ।

माननीय अध्यक्ष: कुँवर पुष्पेन्द्र सिंह चन्देल को श्री संजय भाटिया द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है ।

सभी माननीय सदस्यगण से आग्रह है कि संक्षिप्त में अपनी बात कहें । आज सभी माननीय सदस्यों को अवसर दिया जाएगा । इसकी एक शर्त है कि बोलने के बाद सब लोग बैठें, जो आज लगातार बैठे रहेंगे, उनको कल भी समय मिलेगा ।